सब्जी बीजों की प्रजातियां बताई, उत्पादन बढ़ने से आय में वृद्धि

कृषक गोष्ठी में सब्जी उत्पादन पर वैज्ञानिकों ने दी तकनीकी जानकारियां

कानपुर, 9 दिसम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र योजना अंतर्गत आज ग्राम गदनपुर आहार विकासखंड बिल्हौर में विशाल कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया है, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने सब्जी उत्पादन के विभिन्न पहलुओं पर जानकारियां दी। परियोजना के मुख्य समन्वयक डा डी पी सिंह ने बताया कि परियोजना का उद्देश्य कृषकों के मध्य सब्जी बीजों की प्रजातियों की उपलब्धता एवं महत्व को बढ़ावा देना है जिससे सब्जी उत्पादक कृषकों की आय में बढ़ोतरी हो।सस्य वैज्ञानिक डॉ. राजीव कुमार ने सिंचाई प्रबंधन पर जानकारी देते हुए कहा कि सब्जी फसलों में क्रांतिक अवस्थाओं पर ही सिंचाई करें अनावश्यक एवं अधिक मात्रा में सिंचाई जल के प्रयोग करने से फसल तथा मिट्टी दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। तथा पानी जैसे बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन का व्हास होता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर आई एन शुक्ला ने लतावर्गी फसलों में कीट प्रबंधन पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि पत्तियों से रस चूसने वाले कीटों के प्रभावी नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड की एक मिली लीटर मात्रा का 3 लीटर पानी में घोल बनाकर फसलों पर छिड़काव करें। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजीव सचान ने मसाला फसलों में खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि बीज मसाला फसलों की बुवाई के बाद 2 दिन के अंतर्गत पेंडिमेथलीन की 3.3 लीटर मात्रा का प्रति हेक्टेयर की दर से भूमि पर छिड़काव करने से अधिकांश खरपतवारों का बड़ी आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से मिट्टी का पीएच मान बढ़ रहा है इसलिए मिट्टी में सल्फर तत्व का प्रयोग किया जाना आवश्यक है। जिसके लिए जिप्सम या फास्फोजिप्सम या दानेदार सल्फर का प्रयोग करें। इस अवसर पर पूर्व प्रधान श्री बेचेलाल सहित एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

किसानों को जानकारी देते वैज्ञानिक।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

छत्तीसगढ़ सीएम के नाम पर जल्द लगेगी मुहर... 12

भाजपा की डबल इंजन सरकार सभी वर्गों की हितैषी... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 59
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
रविवार | 10 दिसंबर, 2023

बिल्हौर में विशाल कृषक गोष्ठी का आयोजन संपन्न

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा सब्जी उत्कृष्टता केंद्र योजना अंतर्गत शनिवार को ग्राम गदनपुर आहार विकासखंड बिल्हौर में विशाल कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वैज्ञानिकों द्वारा सब्जी उत्पादन के विभिन्न पहलुओं पर जानकारियां दी गई। परियोजना के मुख्य समन्वयक डॉ.डी.पी.सिंह ने बताया कि परियोजना का उद्देश्य किसानो के मध्य सब्जी बीजों की प्रजातियों की उपलब्धता एवं महत्व को बढ़ावा देना है जिससे सब्जी उत्पादक कृषकों की आय में बढ़ोत्तरी हो। इस अवसर पर सश्य वैज्ञानिक डॉ.राजीव ने कहा कि सब्जी फसलों में क्रांतिक अवस्थाओं पर ही सिंचाई करें अनावश्यक एवं अधिक मात्रा में सिंचाई जल के प्रयोग करने से फसल तथा मिट्टी दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और पानी जैसे बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन का व्हास होता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.आई.एन.शुक्ला द्वारा लतावर्गी फसलों में कीट प्रबंधन पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि पत्तियों से रस चूसने वाले कीटों के प्रभावी नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड की एक मिली लीटर मात्रा का 3 लीटर पानी में घोल बनाकर फसलों पर छिड़काव करना चाहिए। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजीव सचान द्वारा मसाला फसलों में खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीज मसाला फसलों की बुवाई के बाद 2 दिन के अंतर्गत पेंडिमेथलीन की 3.3 लीटर मात्रा का प्रति हेक्टेयर की दर से भूमि पर छिड़काव करने से अधिकांश खरपतवारों का बड़ी आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से मिट्टी का पीएच मान बढ़ रहा है इसलिए मिट्टी में सल्फर तत्व का प्रयोग किया जाना आवश्यक है। जिसके लिए जिप्सम या फास्फोजिप्सम या दानेदार सल्फर का प्रयोग करें। इस अवसर पर पूर्व प्रधान बेचेलाल सहित एक सैकड़ा से अधिक किसान मौजूद रहे।

WKE
WORLD खबर
EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

शनिवार
09 दिसंबर, 2023
अंक - 120

कृषक गोष्ठी में सब्जी उत्पादन की दी गई तकनीकी जानकारियां

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा सब्जी उत्कृष्टता केंद्र योजना अंतर्गत आज ग्राम गदनपुर आहार विकासखंड बिल्हौर में विशाल कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसमें वैज्ञानिकों द्वारा सब्जी उत्पादन के विभिन्न पहलुओं पर जानकारियां दी गई। परियोजना के मुख्य समन्वयक डा डी पी सिंह ने बताया कि परियोजना का उद्देश्य कृषकों के मध्य सब्जी बीजों की प्रजातियों की उपलब्धता एवं महत्व को बढ़ावा देना है जिससे सब्जी उत्पादक कृषकों की आय में बढ़ोतरी हो। इस अवसर पर सस्य वैज्ञानिक डॉक्टर राजीव द्वारा सिंचाई प्रबंधन पर जानकारी देते हुए कहा कि सब्जी फसलों में क्रांतिक अवस्थाओं पर ही सिंचाई करें अनावश्यक एवं अधिक मात्रा में सिंचाई जल के प्रयोग करने से फसल तथा मिट्टी दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। तथा पानी जैसे बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन का ह्रास होता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर आई एन शुक्ला द्वारा लतावर्गी फसलों में कीट प्रबंधन पर चर्चा की गई तथा बताया कि पत्तियों से रस चूसने वाले कीटों के प्रभावी नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड की एक मिली लीटर मात्रा का 3 लीटर पानी में घोल बनाकर फसलों पर छिड़काव करें। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान द्वारा मसाला फसलों में खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी गई तथा उन्होंने कहा कि बीज मसाला फसलों की बुवाई के बाद 2 दिन के अंतर्गत पेंडिमेथलीन की 3.3 लीटर मात्रा का प्रति हेक्टेयर की दर से भूमि पर छिड़काव करने से अधिकांश खरपतवारों का बड़ी आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान द्वारा बताया गया कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से मिट्टी का पीएच मान बढ़ रहा है इसलिए मिट्टी में सल्फर तत्व का प्रयोग किया जाना आवश्यक है। जिसके लिए जिप्सम या फास्फोजिप्सम या दानेदार सल्फर का प्रयोग करें। इस अवसर पर पूर्व प्रधान श्री बेचेलाल सहित एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

कृषक गोष्ठी में सब्जी उत्पादन की दी गई तकनीकी जानकारियां

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा सब्जी उत्कृष्ठता केंद्र योजना अंतर्गत आज ग्राम गदनपुर आहार विकासखंड बिल्हौर में विशाल कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसमें वैज्ञानिकों द्वारा सब्जी उत्पादन के विभिन्न पहलुओं पर जानकारियां दी गई। परियोजना के मुख्य समन्वयक डा डी पी सिंह ने बताया कि परियोजना का उद्देश्य कृषकों के मध्य सब्जी बीजों की प्रजातियों की उपलब्धता एवं महत्व को बढ़ावा देना है जिससे सब्जी उत्पादक कृषकों की आय में बढ़ोतरी हो। इस अवसर पर सश्य वैज्ञानिक डॉक्टर राजीव द्वारा सिंचाई प्रबंधन पर जानकारी देते हुए कहा कि सब्जी फसलों में क्रांतिक अवस्थाओं पर ही सिंचाई करें अनावश्यक एवं अधिक मात्रा में सिंचाई जल के प्रयोग करने से फसल तथा मिट्टी दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। तथा पानी जैसे बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन का व्हास होता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर आई एन शुक्ला द्वारा लतावर्गी फसलों में कीट प्रबंधन पर चर्चा की गई तथा बताया कि पत्तियों से रस चूसने वाले कीटों के प्रभावी नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड की एक मिली लीटर मात्रा का 3 लीटर पानी में घोल बनाकर फसलों पर छिड़काव करें। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान द्वारा मसाला फसलों में खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी गई तथा उन्होंने कहा कि बीज मसाला फसलों की बुवाई के बाद 2 दिन के अंतर्गत पेंडिमेथलीन की 3. 3 लीटर मात्रा का प्रति हेक्टेयर की दर से भूमि पर छिड़काव करने से अधिकांश खरपतवारों का बड़ी आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान द्वारा बताया गया कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से मिट्टी का पीएच मान बढ़ रहा है इसलिए मिट्टी में सल्फर तत्व का प्रयोग किया जाना आवश्यक है। जिसके लिए जिप्सम या फास्फोजिप्सम या दानेदार सल्फर का प्रयोग करें। इस अवसर पर पूर्व प्रधान श्री बेचेलाल सहित एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।